IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 3, March 2026
Impact Factor: 8.2

रीवा जिले में मनरेगा के अंतर्गत सामाजिक ऑडिट की प्रक्रिया, आवृत्ति, कवरेज और रिपोर्टिंग स्थिति का विश्लेषण

रोहित सिंह

अतिथि विद्वान - वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश

सारांश (Abstract)

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में सामाजिक ऑडिट पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार नियंत्रण का महत्वपूर्ण साधन है। यह अध्ययन रीवा जिले (मध्य प्रदेश) में 2020-2025 **की अवधि में सामाजिक ऑडिट की प्रक्रिया, आवृत्ति, कवरेज और रिपोर्टिंग स्थिति का विश्लेषण करता है। द्वितीयक डेटा** (nrega.nic.in, CAG **रिपोर्ट्स) और उपलब्ध साहित्य के आधार पर पाया गया कि मध्य प्रदेश में आवश्यक सामाजिक ऑडिट का केवल** 41% (2019-21 **में) ही पूरा हुआ, जबकि रीवा जैसे जिलों में कवरेज और रिकवरी दर कम रही है। आदिवासी बहुल ब्लॉकों में जागरूकता एवं संसाधन कमी प्रमुख चुनौतियाँ हैं। अध्ययन से सुझाव दिया गया है कि** SHG-VRP **मॉडल और डिजिटल टूल्स को मजबूत करने से प्रभावशीलता बढ़ सकती है।**

कीवर्ड्स (Keywords): **मनरेगा**, **सामाजिक ऑडिट**, **रीवा जिला**, **पारदर्शिता**, **जवाबदेही**, **मध्य प्रदेश**, **ग्रामीण रोजगार**, CAG **रिपोर्ट**, **ग्राम सभा**, VRP **प्रशिक्षण।**

परिचय (Introduction)

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA), 2005 **ग्रामीण क्षेत्रों में** 100 **दिनों का गारंटीड रोजगार प्रदान करने वाली प्रमुख योजना है। अधिनियम की धारा** 17 **के अनुसार**, **ग्राम सभा द्वारा प्रत्येक छह माह में सामाजिक ऑडिट अनिवार्य है**, **जिससे कार्यों की गुणवत्ता**, **व्यय की सत्यता और लाभार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित होती है। मध्य प्रदेश में सामाजिक ऑडिट यूनिट** (MP State Samajik Sampariksha Samiti) 2013 **से कार्यरत है**, **किंतु** CAG **रिपोर्ट** (2021) **के अनुसार** 2019-21 **में आवश्यक** 91,236 **ऑडिट में से केवल** 36,995 (41%) **ही पूरे हुए। रीवा जिला विंध्यांचल क्षेत्र में स्थित है**, **जहाँ आदिवासी बहुलता**, **जल संकट**, **प्रवासन और कम साक्षरता जैसी समस्याएँ हैं। यहां मनरेगा के अंतर्गत जल संरक्षण कार्य प्रमुख हैं**, **लेकिन सामाजिक ऑडिट की कम प्रभावशीलता से फर्जी जॉब कार्ड**, **विलंबित भुगतान और कार्य गुणवत्ता में कमी की शिकायतें आती रहती हैं।महात्मा गांधी** NREGA **ऑडिट ऑफ स्कीम्स रूल्स**, 2011 **के तहत सामाजिक ऑडिट की पद्धति और सिद्धांत निर्धारित किए गए हैं। मध्य प्रदेश में जनवरी** 2013 **से मध्य प्रदेश राज्य सामाजिक सम्परीक्षा समिति** (MPSSSS) **कार्यरत है**, **जो ग्राम सभा को प्रभावी सामाजिक ऑडिट में सहायता प्रदान करती है।** Comptroller and Auditor General (CAG) **की रिपोर्ट्स** (2021 **एवं** 2022) **के अनुसार**, **मध्य प्रदेश में सामाजिक ऑडिट की स्थिति चिंताजनक रही है। उदाहरणस्वरूप**:

- 2019-21 **में आवश्यक** 91,236 **ऑडिट में से केवल** 36,995 (41%) **पूरे हुए।**
- 2019-22 **में आवश्यक** 1,36,790 **ऑडिट में से मात्र** 59,742 (44%) **पूरे हुए**, **जिससे** 56% **की कमी रही।**

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 3, March 2026
Impact Factor: 8.2

- 2021-22 में 2,105 मुद्दों (₹226.80 लाख) में से 689 मुद्दे (₹130.82 लाख) अनसुलझे रहे।

रीवा जिला (जिला कोड: 1713) विंध्यांचल क्षेत्र में स्थित है, जहाँ जनसंख्या का बड़ा हिस्सा आदिवासी (ST) है, कृषि मुख्य आजीविका है, जल संकट गंभीर है, और ग्रामीण-शहरी प्रवासन आम समस्या है। जिले में मनरेगा के अंतर्गत जल संरक्षण (NRM कार्य), सड़कें, तालाब निर्माण आदि प्रमुख हैं। nrega.nic.in पर उपलब्ध डेटा से 2024-25 में रीवा जिले में कुल व्यय ₹10,394.33 लाख रहा, जिसमें अकुशल मजदूरी पर ₹5,157.29 लाख खर्च हुआ। हालांकि, सामाजिक ऑडिट कैलेंडर, डेटा एंट्री स्थिति और रिपोर्टिंग में नियमितता की कमी देखी गई है। रीवा जैसे पिछड़े जिलों में सामाजिक ऑडिट की कम प्रभावशीलता से फर्जी जॉब कार्ड, विलंबित मजदूरी भुगतान, कार्य गुणवत्ता में कमी और अनियमितताएँ बनी रहती हैं। COVID-19 महामारी (2020-22) के दौरान योजना में रोजगार मांग बढ़ी, लेकिन ऑडिट प्रक्रिया प्रभावित हुई। 2024-25 में राज्य स्तर पर सामाजिक ऑडिट यूनिट्स को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं, फिर भी स्थानीय स्तर पर जागरूकता, प्रशिक्षण और संसाधन अभाव चुनौतियाँ बनी हुई हैं। यह अध्ययन रीवा जिले में सामाजिक ऑडिट की प्रक्रिया (Gram Sabha स्तर पर), आवृत्ति (वार्षिक/अर्ध-वार्षिक), कवरेज (ग्राम पंचायतों का प्रतिशत) और रिपोर्टिंग स्थिति (MIS डेटा एंट्री, मुद्दों की रिकवरी) का विश्लेषण करता है। उद्देश्य योजना की पारदर्शिता बढ़ाने हेतु नीतिगत सुझाव देना है।

शोध पद्धति (Research Methodology)

यह अध्ययन वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक प्रकार का है तथा द्वितीयक डेटा पर आधारित है।

डेटा स्रोत:

- **आधिकारिक वेबसाइट**: nrega.nic.in (Social Audit Calendar, Data Entry Status, MIS Reports) – **रीवा जिला** (District Code: 1713) **के लिए** 2020-2025 **के आंकड़े।**
- CAG **रिपोर्ट्स** (**मध्य प्रदेश लोक बॉडीज**, 2021)।

- **अन्य स्रोत**: MoRD **दिशानिर्देश**, **शोध पत्र** (**जैसे** IJRISS **में मध्य प्रदेश पर अध्ययन**), **राज्य सामाजिक ऑडिट यूनिट रिपोर्ट्स।**
- **विश्लेषण विधि**: **प्रतिशत गणना**, **तुलनात्मक विश्लेषण** (**वर्ष-वार**, **ब्लॉक-वार जहां उपलब्ध**), **थीमेटिक एनालिसिस** (**मुद्दों की प्रकृति**: **विलंबित भुगतान**, **फर्जीवाड़ा आदि**)।
- **सीमाएँ**: **प्राथमिक सर्वे की कमी के कारण फील्ड स्तर की वास्तविक प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष आकलन सीमित है**; **डेटा** MIS **पर निर्भर।**

निष्कर्ष एवं सुझाव (Conclusion)

रीवा जिले में मनरेगा के सामाजिक ऑडिट की प्रक्रिया मुख्यतः ग्राम सभा और सामाजिक ऑडिट यूनिट द्वारा संचालित होती है, लेकिन आवृत्ति और कवरेज अपेक्षाकृत कम पाई गई। मध्य प्रदेश स्तर पर 2019-21 **में मात्र** 41% **ऑडिट पूरे हुए, जबकि रीवा जैसे जिलों में डेटा एंट्री और रिपोर्टिंग में देरी आम है।** CAG **रिपोर्ट के अनुसार** 17 **जिलों में** 2286 **मुद्दे** (₹1.11 **करोड़**) **अनसुलझे रहे, जो रिकवरी दर की कमजोरी दर्शाता है।**

रीवा में आदिवासी ब्लॉकों (जैसे गोविंदगढ़, नईगढ़ी) में जागरूकता कमी, संसाधन अभाव और राजनीतिक हस्तक्षेप प्रमुख चुनौतियाँ हैं। रिपोर्टिंग स्थिति में सुधार के लिए MIS **में नियमित अपडेट आवश्यक है।**CAG **रिपोर्ट्स** (2021-2023) **के अनुसार, राज्य स्तर पर अनसुलझे मुद्दों की संख्या (जैसे** 2,286 **मुद्दे** ₹1.11 **करोड़ के) और कम रिकवरी दर (केवल आंशिक वसूली) योजना की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। रीवा जैसे विंध्यांचल क्षेत्र के जिले में, जहाँ आदिवासी बहुल ब्लॉक (गोविंदगढ़, नईगढ़ी, सिरमौर आदि) हैं, जागरूकता की कमी, साक्षरता दर निम्न होना, संसाधनों (ट्रेनिंग, वाहन, स्टाफ) का अभाव और कभी-कभी स्थानीय राजनीतिक हस्तक्षेप प्रमुख चुनौतियाँ बनी हुई हैं।** COVID-19 **के बाद** (2020-22)

रोजगार मांग बढ़ने के बावजूद ऑडिट प्रक्रिया प्रभावित रही, जिससे फर्जी जॉब कार्ड, विलंबित मजदूरी भुगतान और कार्य गुणवत्ता में कमी जैसी समस्याएँ बनी रहीं। 2024-25 में राज्य स्तर पर सामाजिक ऑडिट यूनिट्स को मजबूत करने के प्रयास हुए हैं (जैसे SHG-VRP ट्रेनिंग प्रोग्राम), लेकिन रीवा में स्थानीय स्तर पर इनका प्रभाव सीमित दिखाई देता है। MIS रिपोर्टिंग में नियमितता की कमी से मुद्दों की समयबद्ध रिकवरी और फॉलो-अप प्रभावित होता है। कुल मिलाकर, सामाजिक ऑडिट योजना की पारदर्शिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, लेकिन वर्तमान स्थिति में यह अपनी पूरी क्षमता से कम कार्यरत है।

सुझाव:

SHG **आधारित** VRP (Village Resource Person) **मॉडल को मजबूत करना। डिजिटल टूल्स** (**जियो-टैगिंग**, **मोबाइल ऐप**) **से ऑडिट प्रक्रिया को तेज करना। ग्राम सभा सदस्यों के लिए नियमित प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान।रिकवरी दर बढ़ाने हेतु समयबद्ध कार्रवाई और दंडात्मक प्रावधान।**

इन सुधारों से रीवा जिले में मनरेगा की पारदर्शिता और प्रभावशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है।

संदर्भ (References)

[1]. Ministry of Rural Development, Government of India. (2025). Mahatma Gandhi NREGA Official Website. https://nrega.nic.in/

[2]. Comptroller and Auditor General of India. (2023). Report No. 7 on Local Bodies, Madhya Pradesh (Year ended March 2021). https://cag.gov.in/

[3]. nrega.nic.in. (2025-2026). Social Audit Reports & Data Entry Status – Madhya Pradesh & Rewa District. https://mnregaweb4.nic.in/netnrega/SocialAudit/SA_LoginReport.aspx?id=17

[4]. Singh, S., & Modi, S. (2023). Assessing the Effectiveness of MGNREGA's Social Audits and Training in Madhya Pradesh. International Journal of Research and Innovation in Social Science.

[5]. Madhya Pradesh State Samajik Sampariksha Samiti. (Various years). Social Audit Guidelines & Reports.